12

# gkyh io

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने संतुलित आहार, उसके प्रकार तथा स्रोत के विषय में जाना। इस पाठ में आप होलिका पर्व के विषय में पढ़ेंगे। होली हमारे देश का एक प्रमुख त्यौंहार है। यह रंगों और प्रेम का पर्व है। यह एक पारम्परिक और' सांस्कृतिक उत्सव है जिसको मनाने के लिए लोग बहुत ही उत्साह के साथ इस दिन का इंतजार हैं।

## mÌ';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- होलिका पर्व का महत्त्व समझ पाने में;
- होलिका पर्व मनाने के पीछे की कहानी समझ पाने में;
- कहानी के माध्यम से सदाचार की शिक्षा समझ पाने में; और
- संस्कृत के नवीन शब्दों का ज्ञान कर पाने में।

## gkyh io

### 12.1 eyikB

**gkfydk vLekd n'kL; jE;% mRlo% vfLrA v;a QkYxquekIL; if.kek;ka HkofrA**

**Ñ"kdk% vfLeu le;s uru lL;e mRikn;fUrA rs lf[ku% lg~Uuk% p HkofUrA iQfYyrk% tuk% ijLija xykye vchja p if{kifUrA fe"VkUue vfi forjfUrA**

होली हमारे देश का प्रिय पर्व है। चह फाल्गुन मास की पूर्णिमा को आती है।

कृषक इस समय अपनी फसलों का उत्पादन कर नृत्य करते हैं। वे

सुखी तथा सम्पन्न होते हैं। प्रफुल्लित लोग एक दुसरे के ऊपर गुलाल और अबीर डालते हैं। मिटाईयाँ भी वितरीत करते हैं।

**vL; mRloL; fo"k; ,dk ikjkf.kdh dFkk ipyfrA ijk fgj.;d';i% ukenR;kuk ui% vklhrA**

**rL; i=% igykn% jkeHkDr% vHkorA l% futk Hkfxuh gkfydke vkgrokuA vkg; p rL;% igyknL; lo oÙkkUr dfFkrokuA g Lol%A be igykn Ro futs vd fu/kk; tkToY;eku vXuk mifo'k ;u v;s Tofyr% HkLerk xPNrA rH;s r cge.kkoj% nÙk% ;n vXuk u tofy";flA gkfydk rFkk ,o Ñrorh] ijs r=kfi igykn% ljf{kr% ,o vfr"BrA HkLelkr gkfydk ,o r=A rL; fnuL; miy{;s gkfydk iof.k mRlo% HkofrA**

इस पर्व के विषय मे एक पौराणिक कथा प्रचलित है। बहुत पहले हिरण्याकश्यप नाम से दैत्यों का राजा था।

उसका पुत्र प्रहलाद भगवान राम का भक्त था। हिरण्याकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया। बुलाकर प्रहलाद के विषय में संपूर्ण वर्तान्त उसे सुनाया। हे बहन। इस प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर ज्वलनशील अग्नि में बैठ जाओ जिससे यह जलकर भस्म हो जाये। तुम्हे तो ब्रह्मा

d{kk & V

fVIi.kh

जी का वरदान है कि तुम अग्नि में नहीं जलोगी। होलिका ने ऐसा ही किया परन्तु वहाँ पर प्रहलाद सुरक्षित बैठा रहा। होलिका वहीं भस्म हो गयी। इस दिन के उपलक्ष में होलिका पर्व पर उत्सव होते हैं।

## ikBxr iz'u& 12-1

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(i) अयं ................................ पूर्णिमायांभवति।

(ii) ................................ जनाः परस्परं गुलालम् अबीरं च प्रक्षिपन्ति।

(iii) पूरा ................................ नामदैत्यानां नृपः आसीत्।

(iv) सः निजां भगिनीं होलिकां ................................।

(v) आहूय च तस्यै ................................ सर्वं वृत्तान्तं कथितवान्।

2. नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर लिखिए–

(i) के अस्मिन् समये नृतनं सस्यं उत्पादयन्ति।

(ii) प्रफुल्लिताः जनाः परस्परं किं प्रक्षिपन्ति।

(iii) तस्य पुत्रः प्रह्लादः किम् अभवत्।

## vkiu D;k lh[kk\

- होलिका पर्व की कथा।
- उत्सव के पीछे का कारण।
- होलिका त्यौहार का महत्त्व।

## ikBkr i'u

1. निम्नलिखित नवीन पदों का उच्चारण करते हुए अर्थज्ञान भी कीजिए–

   होलिका, फाल्गुनमासस्य, कृषकाः, सस्यम् उत्पादयन्ति, सुखिनः, संपन्नाः, गुलालम्, मिष्टान्नम्, पौराणिकी–कथाम्, भगिनीम्, वृत्तान्तम्, जाज्वल्यमाने, भस्मसात् उपलक्ष्ये।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

   क होलिका अस्माकम् ..... अस्ति ।

   ख अयं फाल्गुन ..... भवति।

   ग कृषकाः ..... उत्पादयन्ति।

   घ अस्य उत्सवस्य विषये .....कथा .....।

   ड. सः ..... आहूतवान।

   च किंतु होलिका ..... भस्मसात् अभवत्।

   छ होलिकापर्वणि ..... भवति।

## mÙkjekyk

1.

(i) फाल्गुनमासस्य

(ii) प्रफुल्लिताः

(iii) हिरण्यकश्यपः

(iv) आहूतवान

(v) प्रह्लादस्य

2.

(i) कृषकाः

(ii) गुलालम् अबीरम् च प्रक्षिपन्ति।

(iii) रामभक्तः अभवत्।